सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 253 | इंदौर, सोमवार 30 मार्च, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

ईरान ने कुवैत के पावर प्लांट पर किया हमला, एक भारतीय की मौत

कुवैत सिटी, (एजेंसी) कुवैत में ईरान की ओर से हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। कुवैत के बिजली, पानी और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि रविवार शाम को हुए इस हमले में एक बड़े पावर और पानी के डीसैलिनेशन (समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाला) प्लांट के सर्विस बिल्डिंग को निशाना बनाया गया। इस हमले में वहां काम कर रहे एक भारतीय कर्मचारी की जान चली गई और इमारत को भारी नुकसान पहुंचा।

हमले के बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीम तैनात

मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, यह हमला कुवैत के खिलाफ ईरानी आक्रामक कार्रवाई का हिस्सा था। हमले के तुरंत बाद तकनीकी और इमरजेंसी टीमों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने हालात को संभालने और प्लांट को चालू रखने के लिए काम शुरू कर दिया। यह पूरा काम सुरक्षा एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर किया जा रहा है ताकि प्रभावित इलाके को सुरक्षित किया जा सके और जरूरी सेवाएं जारी रह सकें। सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि बिजली और पानी की सप्लाई को किसी भी हालत में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए टीमें लगातार काम कर रही हैं और हर स्थिति के लिए तैयार हैं।

लेबनान में भी बढ़ रहा तनाव

इधर, लेबनान में भी तनाव बढ़ता दिख रहा है। दक्षिणी लेबनान के अडचित अल-कुसैर इलाके में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूएनआईएफआईएल) के ठिकाने पर एक प्रोजेक्टाइल गिरने से एक शांति सैनिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएनआईएफआईएल ने कहा कि यह प्रोजेक्टाइल कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। संगठन ने इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि शांति बनाए रखने के लिए काम कर रहे लोगों की जान जाना बहुत गंभीर बात है। यूएनआईएफआईएल ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें और शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर जानबूझकर शांति सैनिकों पर हमला किया जाता है, तो यह युद्ध अपराध माना जा सकता है।

LPG संकट के बीच फिर केरोसिन का दौर, पेट्रोल पंपों पर मिलेगा

सरकार ने दी नियमों में ढील

नई दिल्ली, (एजेंसी) एलपीजी क्राइसिस के बीच भारत सरकार ने रविवार को एक बड़ा ऐलान किया। इसके मुताबिक केरोसिन से जुड़े नियमों में ढील दी गई है। सरकार ने कहाकि वह पेट्रोलियम सुरक्षा और लाइसेंसिंग नियमों में छूट दे रही है। ताकि घरेलू उपयोग के लिए केरोसिन का तेजी से वितरण संभव हो सके। बता दें कि ईरान युद्ध के चलते दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति बाधित हो रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा कि इन उपायों से 21 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में खाना बनाने और रोशनी के लिए घरेलू उपयोग में केरोसिन का अस्थायी वितरण सक्षम होगा। सरकार द्वारा नियमों में किए गए बदलाव के तहत पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा चलाए जाने वाले पेट्रोल पंप पर केरोसिन तेल को स्टोर करने और बांटने की अनुमति होगी। जिन भी पेट्रोल पंप को इसके लिए चुना जाएगा, वहां पर 5000 लीटर तक केरोसिन रखा जाएगा।

रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रुपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण

माँ नर्मदा के आशीर्वाद से प्रदेश में बह रही है विकास की नई धारा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण का किया भूमि-पूजन
इंदौर को मिली करोड़ की जल एवं विकास परियोजनाओं की सौगात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवन रेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भी होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा और देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा परियोजनाओं को नई गति मिली है। सरदार सरोवर परियोजना के माध्यम से गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र सहित व्यापक भू-भाग में जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे कृषि, उद्योग एवं पेयजल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में आयोजित नर्मदा के चतुर्थ चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर शहर को पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिये मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण के तहत अमृत 2.0 योजना में 1356 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन । इससे शहर की पेयजल आपूर्ति संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री इंदौर के रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर संचालित किए गए इस संकल्प से समाधान अभियान के तहत इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि "संकल्प से समाधान" अभियान में इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रभावी रूप से संचालित हुआ। प्रदेश में अब "जल गंगा संवर्धन अभियान" प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नहरों का निर्माण एवं जल संरचनाओं पुनर्जीवित किया जाएगा। यह अभियान गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हो गया है, जो गंगा दशमी तक जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के 25 जिलों को लाभ मिलेगा, वहीं पार्वती-कालीसिंध-चंबल (PKC) परियोजना से मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के 13 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल की सुविधाएं सुदृढ़ होंगी। उन्होंने शिप्रा नदी के पुनर्जीवन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आगामी सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालु शिप्रा के स्वच्छ जल में स्नान कर सकेंगे। इसके लिए बड़े पैमाने पर वर्षा जल संग्रहण एवं निरंतर जल प्रवाह सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। कान्ह नदी के जल को शुद्ध कर कृषि कार्यों में उपयोग हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक बूंद जल के संरक्षण के माध्यम से प्रदेश को समृद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे इंदौर शहर के लिए आगामी 25 वर्षों की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समग्र योजना बनाई गई है, जिससे क्षेत्र में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र देश के प्रमुख विकास केंद्रों में शामिल हो रहा है। आने वाले समय में यह क्षेत्र लगभग डेढ़ करोड़ की आबादी के साथ देश का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बनेगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आज का दिन इंदौर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किया जाएगा। यह दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वर्णिम भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए दीर्घकालिक सोच के साथ कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2040 तक इंदौर की अनुमानित 65 लाख जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जल प्रबंधन की अग्रिम तैयारी करना नगर निगम की दूरदर्शिता का प्रतीक है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नर्मदा परियोजना का इतिहास संघर्ष और संकल्प से भरा हुआ है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के उस ऐतिहासिक क्षण को याद किया जब नर्मदा परियोजना के प्रथम चरण का शुभारंभ हुआ था। उस समय वैज्ञानिकों ने इंदौर तक नर्मदा जल लाने की चुनौती को असंभव बताया था, लेकिन इंजीनियर्स और विशेषज्ञों के प्रयासों से यह संभव हो सका। यह देश की एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नर्मदा जल अत्यंत मूल्यवान है और इसे व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है और इसका सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना इंदौर के सतत विकास और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगी।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शहरवासियों को 1356 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण जल परियोजना की सौगात पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह योजना इंदौर के विकास और भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जिसका लक्ष्य लगभग 900 एमएलडी जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल संसाधनों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। पिछले लगभग दो वर्षों में करीब 8 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विस्तार किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 55 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो रही है, जिसे अगले एक वर्ष में बढ़ाकर लगभग 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण

भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार अकल्पनीय अब हर तबके के लिए संभव हुई हवाई यात्रा

इंदौर में हवाई सुविधाओं का हो रहा विस्तार, मिली अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हमें लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। लोकमाता के पद चिन्हों पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम जनसेवा के नए कदम बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता ने ही देश के विमानन क्षेत्र का कायाकल्प किया है। प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच और दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज समाज के हर तबके के लिए हवाई यात्रा संभव हुई है। अब हवाई चप्पल पहनने वाला व्यक्ति भी हवाई जहाज की यात्रा करने में समर्थ्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है वह अकल्पनीय है। मध्यप्रदेश में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत भी की गई है, इससे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को त्वरित उपचार के लिए हायर सेंटर पहुंचाया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में लोकमाता अहिल्याबाई इन्टरनेशनल एयरपोर्ट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 का लोकार्पण कर इन्दौरवासियों

सहित पूरे मालवांचल को अत्याधुनिक टर्मिनल की सौगात दी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिससे हवाई यात्रा और भी अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनेगी। यह नया टर्मिनल इन्दौर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूती के साथ प्रतिस्थापित करेगा। इंदौर शहर की बेहतरीन हवाई सुविधाओं को अमेरिका क्वॉलिटी कॉउंसिल ने क्वॉलिटी सर्टिफिकेट से सम्मानित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉउंसिल की ओर से दिया गया क्वालिटी सार्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन इन्दौर एयरपोर्ट के पदाधिकारियों को सौंपकर बधाई दी।

नये टर्मिनल में मिलेंगी यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर के नए टर्मिनल में यात्रियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इंदौर में पुनर्संरचना परियोजना के तहत करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से हुए विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों से एवं पुरानी टर्मिनल इमारत के नवीनीकरण के बाद अब यह नया टर्मिनल प्रति घंटे लगभग 400 यात्रियों को संभालने में सक्षम हो गया है। इसमें 14 चेक-इन काउंटर्स बनाए गए हैं और लगभग 300 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था भी यहां की गई है। करीब 6 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बने इस टर्मिनल की वार्षिक यात्री क्षमता 15 लाख (1.5 MMPA) है। यहां पर 18 उड़ानों का संचालन, 150 चार पहिया वाहनों की पार्किंग एवं वीआईपी रूम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नये टर्मिनल के लोकार्पण कार्यक्रम में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजारापु राममोहन नायडू ने भी वर्चुअली सहभागिता की। कार्यक्रमको इन्दौर के लोकसभा सांसद श्री शंकर लालवानी सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री श्री महेन्द्र हार्डिया, पूर्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ और महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

अस्पतालों में बढ़ी खादी चादरों की मांग

पुलिसकर्मियों की भी पहली पसंद बनी खादी यूनिफॉर्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में खादी की चादरों की मांग बढ़ती जा रही है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिहाज से फायदेमंद मानी जाने वाली इन चादरों ने अब पारंपरिक कपड़ों की जगह लेना शुरू कर दिया है। इसी बढ़ती मांग के चलते इंदौर का खादी ग्रामोद्योग केंद्र प्रदेशभर के अस्पतालों के लिए सप्लाई हब के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। इस वर्ष केंद्र को 20 हजार से अधिक खादी चादरों का ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या करीब 18 हजार थी। अस्पताल प्रबंधन अब मरीजों की सुविधा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए खादी उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

प्रदेश के अस्पतालों में बढ़ती खादी की चादरों की मांग में बढ़ोतरी का सीधा असर रोजगार पर भी पड़ा है। पहले जहां केंद्र के साथ मिलकर 35 बुनकर काम करते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 50 तक पहुंच गई है। अस्पतालों में खादी की चादरों के अलावा अब पुलिसकर्मियों की पसंद भी खादी का कपड़ा बनता जा रहा है। पुलिसकर्मी अपनी यूनिफॉर्म खादी के कपड़े की बनवा रहे हैं। यह आरामदायक भी होती है। गर्मी के दिनों में इसमें पसीना आसानी से सूख जाता है। साथ ही त्वचा से संबंधित समस्याएं भी नहीं होती है। इसके अलावा गमछे, साड़ियां, शर्ट के कपड़े ऑर्डर भी आते हैं।

खादी का कपड़ा प्राकृतिक रेशों, खासकर कपास से तैयार किया जाता है, जो त्वचा के लिए बेहद अनुकूल होता है। इससे मरीजों को एलर्जी या त्वचा में जलन जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है। खासतौर पर संवेदनशील त्वचा वाले मरीजों के लिए यह काफी राहतदायक साबित होती है।

इसके अलावा, खादी की सबसे बड़ी विशेषता इसकी 'सांस लेने वाली' बनावट है। यह कपड़ा हवा के आवागमन को आसान बनाता है, जिससे मरीज को गर्मी कम लगती है और उसे अधिक आराम मिलता है। स्वच्छता के लिहाज से यह एक बड़ा लाभ है, क्योंकि इससे संक्रमण फैलने की संभावना भी कम हो जाती है।

इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं और पारंपरिक कारीगरों को स्थायी काम मिल रहा है। इंदौर के अलावा भोपाल, बुरहानपुर, मंदसौर आदि केंद्रों में कार्य हो रहा है।

भोपाल में बन रही है प्रदेश की पहली नॉलेज और एआई सिटी

इनोवेशन अपनाकर मध्यप्रदेश बनेगा उद्यमिता का हब : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। आज मध्यप्रदेश का युवा अपनी सोच को आकार देकर नए-नए इनोवेशन कर आईटी तकनीकी के माध्यम से स्टार्टअप कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश स्टार्टअप एवं इनोवेशन को अपनाते हुए उद्यमिता विकास का हब बन जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से आज दुनिया तेजी से बदल रही है। वर्तमान समय में इंसान को उसके ज्ञान से ही मापा जाता है। उन्होंने कहा कि युवा नवीन तकनीकी को अपनाएं और स्टार्टअप करें एवं दूसरों को रोजगार देने वाले सफल उद्यमी बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में प्रदेश की पहली नॉलेज और एआई सिटी बन रही है। उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के सिंहासा में स्थित आईटी पार्क में बने लॉन्चपैड इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। नवाचार और विज्ञान के माध्यम से अनेक कार्य हो रहे हैं। लोग कभी जमीन और प्रापर्टी को अपना सब कुछ समझते थे। अब तो ज्ञान ही सबसे बड़ा खजाना है। ज्ञान होने से मनुष्य अपने आप धनवान हो जाता है। नॉलेज के बलबूते पर उन्नति के मार्ग पर तेजी से जा सकते हैं। सत्यवादी मार्ग पर बढ़ने का यही समय है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लॉन्चपेड इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा अपनी सोच को नवीन तकनीकी से आकर देकर निर्मित की गई अत्याधुनिक मशीनों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष इस सेंटर का भूमि-पूजन किया था और आज उसके लोकार्पण अवसर पर युवाओं की आधुनिक सोच एवं आइडियाज को देखकर अति प्रसन्नता हो रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने आइडिया से स्टार्टअप शुरू करने वाले युवा उद्यमियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों से जाना की वे किस क्षेत्र में कार्य कर रहे है। युवाओं के कार्यों के बारे में जानकर उनका हौंसला बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी कार्य को करने की अगर हमारी मंशा सही है तो उस कार्य में सफलता अवश्य मिलती है।

सराफा कारोबारी के बेटे की संदिग्ध मौत बलवाड़ा में पुलिया के नीचे मिला शव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मल्हारगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अग्रसेन नगर से पिछले दो दिनों से लापता एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ है। मृतक की पहचान 28 वर्षीय अखिल सोनी के रूप में हुई है जो शहर के एक प्रतिष्ठित सराफा कारोबारी का पुत्र था। इस घटना के बाद से पूरे परिवार और स्थानीय सराफा बाजार में शोक की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। मृतक अखिल पुत्र अनिल सोनी निवासी अग्रसेन नगर एयरपोर्ट रोड बीते 27 मार्च की सुबह अपने घर से यह कहकर निकला था कि वह बाहर नाश्ता करने जा रहा है। जब वह

देर रात तक वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी बंद आने लगा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिजनों ने उसी रात मल्हारगंज थाने पहुंचकर अखिल की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस और परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश कर रहे थे लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पा रहा था। शनिवार को परिजनों को पुलिस के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि खरगोन जिले के बलवाड़ा क्षेत्र में एक पुलिया के पास एक युवक का शव पड़ा मिला है। सूचना मिलते ही परिजन तुरंत इंदौर से खरगोन के लिए रवाना हो गए और वहां पहुंचकर शव की शिनाख्त अखिल के रूप में की। अखिल का शव घर से काफी दूर मिलना कई अनसुलझे सवाल खड़े कर रहा है क्योंकि परिजनों को इस बात की जानकारी नहीं है कि वह इतनी दूर कैसे पहुंचा।

स्थानीय बलवाड़ा पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद प्राथमिक तौर पर आशंका जताई है कि युवक की मृत्यु जहर के सेवन से हुई है। हालांकि पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। रविवार को परिजन पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए अस्पताल पहुंचे। पुलिस मामले में आत्महत्या और हत्या दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखकर साक्ष्य जुटा रही है। अखिल के पिता अनिल सोनी इंदौर के प्रसिद्ध सराफा बाजार में भगवती ज्वेलर्स के नाम से दुकान संचालित करते हैं। अखिल अपने पिता के साथ ही व्यापार में हाथ बंटाता था और परिवार में उसके दो बड़े भाई भी हैं। परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में स्पष्ट किया है कि अखिल पर किसी भी तरह का कर्ज नहीं था और न ही उसका किसी से कोई पुराना विवाद था। फिलहाल पुलिस मृतक के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड्स और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

स्वास्थ्य अधिकारी के ड्राइवर से मारपीट

मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान हंगामा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान बवाल हो गया। अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया और शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुलिस के अनुसार मालवा मिल चौराहे से पाटनीपुरा रोड के बीच मोबाइल कोर्ट द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। टीम के वाहन कलाली के पास खड़े थे और अधिकारी बैकरी गली में कार्रवाई कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान एक महिला ने अचानक शोर मचाना शुरू कर दिया, जिससे मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। कुछ ही देर में भीड़ उग्र हो गई और वाहनों की ओर बढ़ गई। भीड़ ने एक वाहन को घेरकर रोक लिया और पीछे खड़ी स्वास्थ्य अधिकारी राजेश जायसवाल की गाड़ी को भी रोक लिया। आरोप है कि ड्राइवर कैलाश अग्रवाल के साथ गाली-गलौज की गई, चाबी निकाल ली गई और वाहन का साइड ग्लास तोड़ दिया गया। वहीं, मारपीट की गई। स्वास्थ्य अधिकारी गौतम भाटिया के ड्राइवर अमीन पांडे की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात भीड़ के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और तोड़फोड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

महिला के कहने पर कार में लगाई थी आग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। स्कीम नंबर 54 में विजयनगर थाने के पीछे 16 मार्च की रात बाइक सवार बदमाश ने कपिल चौहान की कार में आग लगा दी थी। मामले के सीसीटीवी फुटेज सामने आए थे, जिनमें बाइक का नंबर भी दिखाई दिया था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी।

शनिवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने एक महिला का नाम बताया। कपिल के छोटे भाई से उस महिला की बेटी की सगाई तय हुई थी। रिश्ता टूटने से नाराज महिला ने पूरी वारदात को अंजाम दिलाया। विजयनगर टीआई चंद्रकांत पटेल की टीम ने निरंजनपुर निवासी अजय चौहान को पकड़ा और उसकी निशानदेही पर मनीषा अग्रवाल नाम की महिला को भी हिरासत में लिया। अजय ने कपिल चौहान की कार में आग मनीषा के कहने पर लगाई थी। इसके लिए महिला ने उसे 15 हजार रुपए की सुपारी दी थी। टीआई के मुताबिक, मनीषा अग्रवाल की बेटी की सगाई कपिल के छोटे भाई से हुई थी, लेकिन किसी कारण से परिवार ने रिश्ता तोड़ दिया। इस बात से मनीषा नाराज थी। अजय उसका परिचित था। मनीषा ने उसे तैयार किया और रुपए देकर आगजनी की घटना को अंजाम दिलवाया। पुलिस जब अजय को पकड़ने गई, तो वह गिर गया। इस दौरान उसका एक पैर टूट गया।

कुर्सी नहीं मिलने से बीजेपी-नेता ने सीएम का कार्यक्रम छोड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर दौरे पर हैं। इंदौर पहुंचते ही उन्होंने एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का शुभारंभ किया। इसके बाद वे 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां कई जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। इधर, सीएम 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन को नर्मदा को कार्यक्रम में मंच पर बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिली, तो वे कार्यक्रम छोड़कर निकल गए। जानकारी के अनुसार, एमआईसी सदस्य बबलू शर्मा से बैठने को लेकर हुई बातचीत के दौरान उनकी कही बात से नाराज होकर सत्तन वहां से चले गए। वहीं, बबलू शर्मा ने बताया कि सत्तन जी की कुर्सी आगे ही थी, लेकिन उस पर नाम की पर्ची नहीं लगी थी।

निर्माणाधीन इमारत में गिरने से महिला की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लसूडिया क्षेत्र में निर्माणाधीन इमारत में गिरने से एक महिला की मौत हुई थी। अब मामले में पुलिस ने लापरवाही बरतने पर बिल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना 22 मार्च की है, जब महिला काम के दौरान हादसे का शिकार हुई। पुलिस के अनुसार स्कीम 78, धनलक्ष्मी नगर में निर्माण कार्य चल रहा था। यहां 32 वर्षीय लाड़की पत्नी कन्हैयालाल सफाई का काम कर रही थी। इसी दौरान वह दूसरी मंजिल पर बनी बिना रेलिंग की टाइल्स वाली सीढ़ी से फिसलकर सीधे ग्राउंड फ्लोर पर गिर गई। हादसे में महिला के सिर में गंभीर चोट आई और काफी खून बह गया। परिजन उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में पाया गया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। सीढ़ियों पर रेलिंग नहीं थी और पास में खुला डक्ट भी मौजूद था, जिससे हादसे की आशंका बढ़ गई थी। इस मामले में पुलिस ने तरनजीत सिंह पुत्र जमीत सिंह नारंग निवासी गोयल एवेन्यू, निपानिया के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है।

वाहन चेकिंग के दौरान विवाद पुलिसकर्मी से मारपीट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र में देर रात वाहन चेकिंग के दौरान नशे में धुत कार सवारों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस के मुताबिक, के-टू ढाबा बिचोली मर्दाना चेकिंग प्वाइंट पर ड्यूटी के दौरान पुनीत चौबे (40) वाहन चेकिंग कर रहे थे।

इसी दौरान कार नंबर MP09WM2288 को रोका गया। कार सवार यशवर्धन खंडेलवाल अपने साथी करण के साथ कार में था। नशे में होने के चलते पुलिसकर्मी ने जब ब्रीथ एनालाइजर से जांच करवाई, तो यशवर्धन के शरीर में एल्कोहल की मात्रा 265.9 mg/100ml पाई गई, जो तय सीमा से कई गुना ज्यादा थी। इसके बाद पुलिस ने यश को वाहन से उतरने और जानकारी देने के लिए कहा। इस पर दोनों आरोपी भड़क गए और विवाद कर पुलिसकर्मी की वर्दी पकड़कर झूमाझटकी की और हाथ-थप्पड़ों से मारपीट कर दी। रात में अफसरों को जानकारी दी गई, जिसके बाद शासकीय कार्य में बाधा को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है।

डेढ़ साल पहले की थी लव मैरिज ट्रेवल्स संचालक ने की आत्महत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर इलाके में एक ट्रेवल्स संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि देर रात जब उसकी पत्नी नौकरी से घर लौटी, तो उसने पति को फंदे पर लटका हुआ पाया। इसके बाद उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

हीरानगर पुलिस के मुताबिक शारदा नगर में रहने वाले कृष्णकांत पुत्र रविशंकर अनजाने निवासी हीरनगर ने अपने घर में सुसाइड कर लिया। कृष्णकांत ट्रेवल्स का काम करता था। शनिवार को अपने घर पर अकेला था। रात में पत्नी भारती जब घर आई तो उसने पति को फंदे पर देखा। परिवार के लोगों ने बताया कि कृष्णकांत मूल रूप से हरदा का रहने वाला था। माता-पिता वहीं रहते हैं। परिवार में एक बडा भाई है जो आईटी कंपनी में जॉब करता है। कृष्णकांत की सितंबर 2024 में शादी हुई थी। उसने भारती से लव मैरिज की थी। मृतक की पत्नी भी एक बेकरी शॉप पर पलासिया इलाके में जॉब करती है। परिवार के मुताबिक मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं कर्ज या किसी से विवाद की बात भी सामने नहीं आई है। फिलहाल मामला जांच में है।

एमपी के 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन नियुक्त

123 नगर परिषदों में 4-4, 46 नगर पालिकाओं में 6-6 मनोनीत पार्षद बनाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में लंबे इंतजार के बाद रविवार को 169 नगरीय निकायों में एल्डरमैन के नामों की घोषणा कर दी गई है। 123 नगर परिषदों में 4-4 जबकि 46 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन (मनोनीत पार्षदों) नियुक्त किए गए हैं। एल्डरमैन का कार्यकाल वर्तमान परिषद के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा या आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा, ये बाद में पता चलेगा सागर छोड़कर शेष बुंदेलखंड और चंबल के निकायों में सहमति न बन पाने के कारण फिलहाल लिस्ट होल्ड रखी गई है। एल्डरमैन के नामों की घोषणा नगरीय निकाय में सबसे शुरुआती इकाई यानी नगर परिषद से की गई है। मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति का मुख्य आधार प्रशासनिक अनुभव और नगर पालिका अधिनियम की जानकारी होता है। संगठन की सिफारिश पर नियुक्त होने वाले एल्डरमैन परिषद की बैठकों और चर्चाओं में तो सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं, लेकिन इनके पास वोट देने का अधिकार नहीं होता। इनका कार्यकाल परिषद के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होता है। सरल शब्दों में कहें तो, ये परिषद के 'मार्गदर्शक' की भूमिका में होते हैं, 'निर्णायक' की नहीं। भाजपा इस बार एल्डरमैन की नियुक्तियों को केवल पद भरने के तौर पर नहीं, बल्कि निकाय चुनावों से पहले कार्यकर्ताओं को एक्टिव करने के टूल के रूप में देख रही है। फॉर्मूले के तहत उन पुराने और अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिन्हें नगर प्रशासन का गहरा ज्ञान है। इसका एक मकसद कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करना भी है। एल्डरमैन की नियुक्ति करके चुनाव से पहले जिला स्तर के उन सक्रिय नेताओं को एडजेस्ट किया गया है, जो लंबे समय से नियुक्तियों का इंतजार कर रहे थे।बीजेपी ने अनुभवी एल्डरमैन के जरिए परिषदों के कामकाज और विकास कार्यों की निगरानी को मजबूत करने की कोशिश भी की है।

जिलावार सूची

सागर

नगर परिषद कर्रापुर: प्रभु सिंह, कमलेशरानी राय, श्रीपाल जैन, विक्रम सिंह
नगर परिषद बिलहरा: मनीष गर्ग, राजू पटेल, पुष्पेन्द्र ठाकुर, हीरालाल अहिरवार पेंटर
नगर परिषद सुरखी: अरुण गौतम, गोपाल पटैल, अभय जैन, विजय सिंह लोधी
नगर परिषद राहतगढ़: अर्पित जैन चौधरी, सोनू सोती, पूरनदास कबीरपंथी, अनुराग चौरसिया

रीवा

नगर परिषद बैकुंठपुर: कैलाश बारी, बहादुर सिंह, सीमा पाण्डेय, सतीश रजक
नगर परिषद सिरमौर: उर्मिला सिंह, सविता कोल, लालपति लोध
नगर परिषद डभौरा: लीलावती विश्वकर्मा, बृजनाथ साहू, ज्योति केशरवानी, भूपनारायण मिश्रा
नगर परिषद सेमरिया: गीता देवी विश्वकर्मा, बनारसी दास गुप्ता, मुकेश कुशवाहा, विमलेश द्विवेदी, राजकुमार सेन
नगर परिषद त्योंथर: सतीश तिवारी, मंगलेश्वर सिंह, पुष्पा देवी, अभयनाथ श्रीवास्तव
नगर परिषद चाकघाट: उमाशंकर केशरवानी, सौखीलाल सोनी, दीपिका नामदेव, पंकजदत्त त्रिपाठी
नगर परिषद मनगवां: पूनम बंसल, कुसुमलता वर्मा, भागवत प्रसाद द्विवेदी, लवकुश गुप्ता
नगर परिषद गोविन्दगढ़: नरेन्द्र बुधौलिया, ब्रम्हानन्द पाण्डेय, श्रीनिवास साकेत, शैलेन्द्र सोनी
नगर परिषद गुढ़: शंभु प्रसाद लोनिया, शैलेन्द्र कुमार बंसल, खुशबू कोरी, रामप्रसाद गुप्ता

मऊगंज

नगर परिषद् नई गढ़ी: श्याम सुन्दर गुप्ता, ललित कुमार पटेल, विजय शंकर यादव, रामपाल सिंह

शहडोल

नगर परिषद बुढ़ार: तारा शर्मा, अशोक वैश, संजू पात्रीक, रविकांत चौरसिया
नगर परिषद बकहो: पंकज नापित, अनिल वर्मा, राहुल जैन, रजनीश प्रसाद मिश्रा
नगर परिषद ब्यौहारी: नीता साहू, विश्वनाथ कोल, प्रशांत गुप्ता, मनोज शुक्ला
नगर परिषद खांड (बाणसागर): रामपाल गौतम, शारदा प्रसाद गुप्ता, अरुणा केवट, रामबाबू पनिका
नगर परिषद जयसिंहनगर: रामलाल खटीक, चंद्रशेखर नामदेव, रामनिवास तिवारी, देवकी सोनी

उमरिया

नगर परिषद नौरोजाबाद: झाला नरेश पटेल, गणेश सिंह, शिवनारायण गौतम, तीर्थबती कोल
नगर परिषद चंदिया: संजय यादव, राजकुमारी तिवारी, राकेश वर्मा, गोविन्द कोल
नगर परिषद मानपुर: हरीश विश्वकर्मा, रसिक खण्डेलवाल, रामनिधि शुक्ला, अमर बैगा

कटनी

नगर परिषद कैमोर: शोभा सोनी, अरुण गुप्ता, सुनीता मुंगेरिया, किरण बर्मन
नगर परिषद बरही: किरण पटेल, रजनीश नामदेव, रघुनाथ प्रसाद गुप्ता, मनोज रावत कोल
नगर परिषद विजयराघवगढ़: राकेश पाण्डेय, भारत कोल, महेन्द्र ताम्रकार, रोशनी सोनी

डिंडौरी

नगर परिषद शहपुरा: राजेश साहू, मनोज सोनी, हारून मंसूरी, रामलाल रजक
नगर परिषद डिंडौरी: कुवरिया मरावी, सुदील बरगैया, मोहन सिंह राठौर, आशीष सोनी

नरसिंहपुर

नगर परिषद सालीचौका: पंकज सहेला, राजेन्द्र वर्मा, सरस्वती विश्वकर्मा, भैरो प्रसाद गहरा
नगर परिषद चीचली: कैलाश काशीवाले, चंद्रकांत गुप्ता, जगदीश कौरव, कलाबाई मेहरा
नगर परिषद साईखेड़ा: सुरेन्द्र सिंह तोमर, मोहन पटेल, शांति राजपूत, ब्रजेश चौधरी
नगर परिषद तेंदूखेड़ा: परषोत्तम पटेल, राजू पाली, मनीष चौबे, ठाकुर दास हरिजन

बालाघाट

नगर परिषद बैहर: राजेश उइके, प्रीती मरावी, राजेश्वर कदम, कीर्ति शुक्ला
नगर परिषद कटंगी: प्रगति बिसेन, संजय वाघमारे, प्रीतम खटवानी, चंदन खरे
नगर परिषद लांजी: आलोक चौरसिया, सुशीला दुग्गड, प्रगति पालीवाल, अविनाश रैच

सिवनी

नगर परिषद बरघाट: राजेन्द्र ठाकुर, किरण टेंभरे, रमन लुधियाना, प्रदीप ठाकुर
नगर परिषद छपारा: स्वर्णिम साहू, रेखा जावरे, सुनील दत्त पाठक, दिनेश लोधी
नगर परिषद लखनादौन: आशीष गोल्हानी, देवेन्द्र जैन, प्रकाश सोनी, नरेश सेन
नगर परिषद केवलारी: सुधीर पाण्डेय, राजकुमार बघेल, त्रिवेणी दमाहे, संजय तिवारी

छिंदवाडा

नगर परिषद हर्रई: योगेन्द्र शर्मा, मनबोध बघेल, अशोक ठाकुर, नितिन चौरसिया
नगर परिषद चांद: रमाकांत सिंह लोधी, ओम चौरसिया, तुलसीराम साहू, मुकेश चौरिया
नगर परिषद बिछुआ: भजनलाल गाकरे, चुकन प्रसाद विश्वकर्मा, रघुराज सिंह रघुवंशी, गणेश चौरागढ़े
नगर परिषद चांदामेटा बूटरिया: मनीष जैन, विक्रम सिंह गौर, उमेश निकोसे, प्रदीप विश्वकर्मा
नगर परिषद बड़कुही: रामचरण डेहरिया, रणविजय सिंह, प्रभुदयाल साहू, पवन डेहरिया
नगर परिषद न्यूटन चिखली: अनिल बानखेड़े, रमेश साहू, इन्द्रपाल साहू, दीप अक्षय भनारिया

पांढुर्ना

नगर परिषद लोधीखेड़ा: नंदकुमार राय, विट्ठल खोडनकर, संतोषी हेडाऊ, रमेश नंदवार
नगर परिषद मोहगांव: जीजाबाई नाडकर, कैलाश पालीवाल, राम सरोदे, राधेश्याम बांगडे
नगर परिषद पिपला: नारायणवार रमेश तुमाने, सदानंद डोंगरे, विनोद चौधरी, विजय दरबारे

नर्मदापुरम

नगर परिषद सोहागपुर: सुधा श्रीवास, नितिन कहार, राकेश मंडल, संजय मालवीय
नगर परिषद माखननगर: राजेश टावरी, अरविंद हर्णे, हरि कुमार वर्मा, सत्यनारायण पुरोहित
नगर परिषद बनखेड़ी: तुला कुशवाह, लेखराम अहिरवार, महेश साहू, हरिओम मेहरा

हरदा

नगर परिषद खिरकिया: हर्षिता राजपूत, अमित तिवारी, बबलू पंवार, विष्णु मोरी
नगर परिषद टिमरनी: नन्हेलाल कौशल, अरुण कुमार तिवारी, मनमोहन सिंहल, महेन्द्र पटेल
नगर परिषद सिराली: पदम पटेल, मुन्नालाल कुशवाह, अशोक सांगुले, कन्हैयालाल मालवीय

बैतूल

नगर परिषद बैतूलबाजार: कमलेश राठौर, दीपक वर्मा, चंद्रकांत जोशी, कांति पंवार
नगर परिषद आठनेर: महेश लहरपुरे, संजय सोनी, रोशन झोड, किरण जोगी
नगर परिषद चिचोली: अमित देशपांडे, कृष्णा सोनी, अमर सिंह राठौर, प्रकाश कटारे
नगर परिषद घोड़ाडोंगरी: प्रशांत गावंडे, प्रिया अरोरा, विकास अग्रवाल, कमलेश जैन
नगर परिषद शाहपुर: अरुण तिवारी, प्रद्युम्न कुमार जैन, रूपलता चौधरी, सरला वर्मा
नगर परिषद भैंसदेही: लक्ष्मीनारायण राठौर, विनोद सोनी, रवि कुबडे, सुरेश पाल

खरगोन

नगर परिषद कसरावद: शंकर कुशवाहा, मंगला सराफ, जितेन्द्र पाटीदार, बिहारी यादव
नगर परिषद बिस्तान: आनंदराम यादव, सुगनकौर जाधव, जयंतीलाल जायसवाल, लक्ष्मीनारायण सूर्यकर
नगर परिषद मंडलेश्वर: पवन अग्रवाल, मंजुला मेवाड़े, गणेश पाटीदार, अनिरुद्ध हलवे
नगर परिषद भीकनगांव: कपिल वर्मा, ज्योति भावसार, मंजू शुक्ला, खेमचंद शर्मा (जीतू)
नगर परिषद महेश्वर: योगेश गेलोद, सिंधु जोशी

बड़वानी

नगर परिषद राजपुर: दीपक पटेल, आफताब राज, यशवंत कानपुरे, प्रवीण जैन
नगर परिषद अंजड़: दीपक सेन, राजेंद्र भावसार, गौरव जोशी, महेश शर्मा
नगर परिषद ठीकरी: दीपक गुप्ता, शंकर वर्मा, कुसुम पाटीदार, सुनीता तोमर
नगर परिषद पानसेमल: गोविंद जोशी, शैलेंद्र शुक्ला, देवीदास साटोटे, योगिता सांवले
नगर परिषद निवाली: नंदकिशोर शर्मा, अशोक वाणी, गायत्री वर्षाले, रेखा बाई पवार
नगर परिषद खेतिया: हेमेंद्र सोनी, कृष्ण निकम, श्याम हरसोला, स्मिता शाह
नगर परिषद पलसूद: कोमल गोले, योगेश शर्मा, गीता कुशवाहा, देवेंद्र सोलंकी

आलीराजपुर

नगर परिषद जोबट: मनोज चौबे, मोहम्मद बोहरा, मनोज प्रजापत, लक्ष्मण सिंह ठाकुर
नगर परिषद चंद्रशेखर आजाद नगर: धर्मेंद्र जायसवाल, दीपक राठौर, विजय जैन, सोनल प्रजापत

झाबुआ

नगर परिषद राणापुर: राजकुमार पांडा, बद्दी वसुनिया, पंकज शर्मा, तरुण जैन
नगर परिषद थांदला: दीपक राठौड़, हेमा मेहता, गगनेश उपाध्यक्ष, महावीर मेहता
नगर परिषद मेघनगर: मणियां खराड़ी, विक्रम सिंह चौहान, वेद प्रकाश बसेर, सचिन पांचाल
नगर परिषद पेटलावद: हेमंत कुमार भट्ट, अशोक कुमार मेहता, शांता मेडा, माया सतोगिया

धार

नगर परिषद राजगढ़: प्रफुल्ल जैन, गणेश जी लाल शर्मा, हेमलता नरेश मामा, मनोज माहेश्वरी
नगर परिषद सरदारपुर: राजेंद्र गर्ग, झकलाल चौधरी, दिनेश मावी, संजय सेठिया
नगर परिषद बदनावर: मितेश शर्मा, भूपेंद्र सिंह राठोड़, कपिल नहर, कन्हैयालाल गुर्जर

देवास

नगर परिषद सोनकच्छ: राधेश्याम गाजेश्वर, नीतू रैकवार, दिलीप सोलंकी, राजेश बारोड
नगर परिषद भोरासा: नरपत यादव, मुकेश कुमावत, मुरारी लाल लोधी, प्रदीप मंत्री
नगर परिषद पीपल रावा: बाबूलाल मुक्ति, शेषनारायण नाहर, दिलीप राठौर, सुमित भामा
नगर परिषद टोंक खुर्द: सुरेश अधिकारी, राजेश वर्मा, दीप्ति जैन, राजेश शर्मा
नगर परिषद हाटपिपलिया: विजय सिंह शक्तावत, दुलीचंद कुंभकार, नितिन तंवर, कपिल शर्मा
नगर परिषद नेमावर: दिलीप व्यास, नरेंद्र यादव, अनिल भदौरिया, मुकेश गुर्जर
नगर परिषद कन्नौद: मोहन कोठारी, विनोद मालवीय, विजय चौहान, अशोक यादव
नगर परिषद खातेगांव: कैलाश साधु, लखन दाबी, हरी प्रसाद मकवाना, मनोज बज
नगर परिषद बागली: उमेश मंडलोई, वंशीधर सिसोदिया, मोहन सिकरवार, अनुराग गुप्ता
नगर परिषद सतवास: अमित जोशी, प्यारेलाल प्रजापत, दीपक राठौर, राजेंद्र यादव
नगर परिषद करनावद: आनंद सोनेर, दीपक रावत, लीलाधर पाटीदार, सागरमल पाटीदार
नगर परिषद लोहारदा: लोकेश यादव, हेमलता मालवीय, राजेंद्र व्यास, मोहन जोनवाल
नगर परिषद कांटा फोड़: सत्यनारायण तिवारी, अशोक बाथम, जगदीश राठौर, शिव प्रसाद विजय

बुरहानपुर

नगर परिषद शाहपुर: रमेश चोपडे, राजाराम आटोलकर, प्रकाश भोई, रवि जैन

गैस के लिए 'गदर'...ससुराल में खत्म हुआ सिलेंडर दामाद ने नहीं पहुंचाया तो ससुरालियों ने मचाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

देवास, एजेंसी। देवास शहर के पॉश इलाके जवाहर नगर में पारिवारिक विवाद का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक गैस सिलेंडर इंदौर न पहुंचाने की मामूली बात पर बहू के मायके पक्ष के लोगों ने ससुराल में घुसकर जमकर उत्पात मचाया। आरोप है कि इंदौर से आए हमलावरों ने घर में रखे लाखों रुपये के कीमती सामान की तोड़फोड़ की और सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरे तक तोड़ दिए। घटना की शुरुआत एक फोन कॉल से हुई। आवेदक वंदना जैन के अनुसार, उनके बेटे अर्पित जैन को उसके ससुर का फोन आया था। ससुर ने कहा कि उनके घर (इंदौर) में गैस सिलेंडर खत्म हो गया है, इसलिए अर्पित तुरंत सिलेंडर लेकर इंदौर आए। जब अर्पित ने मना किया, तो घर में मौजूद बहू ने विवाद शुरू कर दिया और अपने मायके वालों को फोन कर बुला लिया। विवाद इतना बढ़ा कि कुछ ही देर में बहू के मायके वाले इंदौर से देवास स्थित जवाहर नगर पहुंच गए। घर में घुसते ही उन्होंने गाली-गलौच और तोड़फोड़ शुरू कर दी। वंदना जैन का आरोप है कि हमलावरों ने घर की एलईडी टीवी, फ्रिज, कूलर और अन्य घरेलू सामान को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही, घटना रिकॉर्ड न हो सके, इसके लिए उन्होंने सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ डाला। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा ने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने बहू सहित इंदौर निवासी कुल 6 आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और पड़ोसियों के बयानों के आधार पर जांच जारी है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

'सहेली गेट पर पहरा देती, उसका पति करता था रेप'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना, एजेंसी। गुना में 22 साल की युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि जिस महिला के यहां युवती पार्लर का काम सीखने जाती थी, उसी ने अपने पति से कई बार रेप कराया। पीड़िता ने शनिवार शाम कैंट थाने में शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने महिला, उसके पति और देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एसपी हितिका वासल के मुताबिक, पीड़िता ने बताया कि वह गुलाबगंज निवासी यास्मीन खान के यहां पार्लर का काम सीखती थी। यास्मीन का पति शरीफ खान भी अकसर वहां मौजूद रहता था। करीब चार महीने पहले यास्मीन ने उसे काम के बहाने घर बुलाया। युवती ने बताया- जब मैं पहुंची तो घर में यास्मीन नहीं थी, बल्कि उसका पति शरीफ खान मौजूद था। इंतजार करने के दौरान आरोपी ने उसके साथ रेप किया और किसी को बताने पर जान से मारने व बदनाम करने की धमकी दी। डर के कारण युवती ने यह बात अपने परिवार को नहीं बताई। युवती ने बताया कि जब उसने यह बात यास्मीन को बताई तो उसने इसे नजरअंदाज करते हुए किसी को नहीं बताने की बात कही। इसके बाद कई बार ऐसा हुआ कि यास्मीन उसे घर बुलाती और धमका कर पति के साथ कमरे में भेज देती, जहां आरोपी उसके साथ रेप करता था और वह गेट पर पहरा देती थी।

संपादकीय

विदेशी मोर्चे पर सुरक्षा की चुनौती और राजनीति का शोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। केरल के पलक्कड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का पहला दायित्व विदेशों में बसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार इस संकट का भारत पर प्रभाव कम से कम रखने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह इस संवेदनशील मुद्दे पर खतरनाक बयानबाजी कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे बयान खाड़ी देशों में रहने वाले करीब 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा को जोखिम में डाल सकते हैं। यह मामला 140 करोड़ भारतीय नागरिकों के हितों से जुड़ा है। उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से अपील की है कि वह इस गंभीर अंतरराष्ट्रीय स्थिति का राजनीतिकरण न करें। इसके साथ ही पीएम मोदी ने केरल की राजनीति पर भी निशाना साधा और सत्ताधारी LDF और UDF को भ्रष्टाचार और वोट-बैंक की राजनीति में लिप्त बताया। उन्होंने कहा कि राज्य लंबे समय से इन दोनों गठबंधनों के बीच फंसा हुआ है, जिससे विकास प्रभावित हुआ है। उन्होंने राजनीतिक हिंसा में जान गंवाने वाले कार्यकर्ताओं को भी श्रद्धांजलि दी। अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री ने अफवाहों को लेकर चिंता जताई और लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि गलत जानकारी देश के लिए नुकसानदायक हो सकती है, इसलिए नागरिकों को केवल आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करना चाहिए। मोदी ने विश्वास जताया कि देशवासी एकजुट होकर इस चुनौतीपूर्ण समय का सामना करेंगे और पहले की तरह इस बार भी मजबूती से बाहर निकलेंगे।

सैर सपाटा

इंटरनेशनल ट्रिप की ख्वाहिश है तो नेपाल की सैर कर आएं। नेचर के धनी इस देश में घूमने के लिए काफी कुछ है लेकिन आप 5 दिन में इन सारी जगहों को आराम से एक्सप्लोर कर सकते हैं। नोट कर लें ये 5 डेज ट्रिप प्लान।

5 दिन में विदेश यात्रा!

बिना वीजा-पासपोर्ट के करें इस देश की सैर, कैश रखने की भी नहीं जरूरत

इंटरनेशनल ट्रिप का प्लान हर मिडिल क्लास इंसान का सपना होता है। लेकिन इसे पूरा करना हर किसी के बस की बात नहीं। लेकिन एक ऐसा देश है जहां पर आप घूमकर अपने विदेश यात्रा का सपना पूरा कर सकते हैं। वो भी बगैर वीजा-पासपोर्ट और कैश के। जी हां, हम बात कर रहे हैं नेपाल की, जहां पर घूमने के लिए आपको किसी भी तरह के पासपोर्ट-वीजा की जरूरत नहीं होगी। बस आधार कार्ड और वोटर आईडी लेकर आराम से पूरे नेपाल की सैर की जा सकती है। 5 दिन का ट्रिप प्लान कर इस खूबसूरत नजारे वाले देश की सैर करना तो बनता है। जान लें इन 5 दिनों की Itinerary.

5 दिनों में नेपाल के इन जगहों की सैर करें

पहले दिन की ट्रिप

नेपाल की राजधानी काठमांडू पहुंचने के बाद आप होटल में स्टे करें और शहर से थोड़ी दूर बनी नमो बुद्धा मोनेस्ट्री जाएं। यहां का शांत वातावरण आपको खूब पसंद आएगा। इसके बाद आप शाम के टाइम थामेल घूमें। जहां के कैफे और लाइटिंग परफेक्ट टूरिस्ट वाइब्स देती है।

दूसरे दिन की ट्रिप में कहा जाएं

नेपाल का दूसरा दिन आप बांदीपुर में बिताएं। यहां की वाइब्स बिल्कुल अलग है पतली गलियों और माउंटेन व्यू काफी शानदार है। जहां पहुंचकर आपको जरा भी पछतावा नहीं होगा। अगर आपके पास टाइम है तो इसी दिन कालीनचौक भी चले जाएं। जहां से माउंटेंस का व्यू शानदार होता है।

तीसरे दिन पहुंच जाएं पोखरा

नेपाल के फेमस टूरिस्ट प्लेस में पोखरा शामिल है। तीसरे दिन यहां पहुंचकर आप देवी फॉल देखें, साथ ही पोखरा लेक साइड पर जाएं। जहां की स्लो शाम आपको हमेशा याद रहेगी।

चौथे दिन की ट्रिप सारंगकोट में करें

नेपाल की ट्रिप पर हैं तो चौथे दिन सारंगकोट जाएं। अगर आप अर्ली सुबह पहुंच गए हैं तो सारंग कोट से सनराइज का सीन काफी फेमस है और इसे देखने के लिए दूर-दूर से आते हैं। एडवेंचर के शौकीन यहां पर एक्टीविटीज कर सकते हैं।

आखिरी दिन पून हिल्स में बिताएं

नेपाल की ट्रिप का आखिरी दिन आप पून हिल्स पर बिताएं। वहां से लौटते समय घानदूक विलेज भी जा सकते है।

बजट और कैश

फर्स्ट टाइम इंटरनेशनल ट्रिप पर जा रहे लोगों के लिए ये बेस्ट एक्सपीरिएंस हो सकता है। यहां पर आपको ज्यादा कैश रखने की भी जरूरत नहीं। क्योंकि शहरों में आराम से यूपीआई से पेमेंट हो जाती है। हालांकि पहाड़ों और दूर-दराज के इलाकों में नेटवर्क की दिक्कत होने पर कैश होना जरूरी है। साथ ही सिंगल इंसान के लिए इस नेपाल के 5 दिन की ट्रिप का खर्च 25 से 30 हजार के बीच आएगा। जो कि इंटरनेशनल ट्रिप के हिसाब से बिल्कुल भी महंगा नही है।

New Delhi

'धार्मिक प्रथाएं तय करने से बचें अदालतें' मुस्लिम बोर्ड की सुप्रीम कोर्ट में दलील

नई दिल्ली, (एजेंसी) अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि अदालतों को यह तय करने से बचना चाहिए कि 'आवश्यक धार्मिक प्रथा' क्या है? बोर्ड ने कहा कि इस तरह की न्यायिक जांच संविधान के अनुच्छेद-25 और 26 के तहत दी गई 'धर्म की स्वतंत्रता' में हस्तक्षेप के समान हो सकती है।

सबरीमला रेफरेंस मामले में दाखिल लिखित दलील में बोर्ड ने तर्क दिया कि किसी धर्म के 'मूल' (कोर) की पहचान स्वभाव से व्यक्तिपरक होती है और यह अनुयायियों की आस्था पर निर्भर करती है। बोर्ड ने तर्क

दिया कि किसी धर्म की आवश्यकताओं का निर्धारण आस्था, सिद्धांत और व्याख्या से जुड़े जटिल प्रश्नों से संबंधित है, जिन्हें अदालतों के बजाय धार्मिक विद्वानों और संप्रदायों पर छोड़ना ज्यादा ठीक है।

सबरीमला मामले में 7 से सुनवाई

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव से संबंधित याचिकाओं के समूह पर 9 जजों की बेंच 7 अप्रैल से अंतिम सुनवाई करेगी। इसमें केरल के सबरीमला मंदिर में हर उम्र की महिलाओं के प्रवेश समेत अन्य मामले शामिल है। इसके लिए चीफ जस्टिस पीठ का गठन करेंगे। 22 अप्रैल तक सुनवाई पूरी हो सकती है। कोर्ट ने सभी पक्षकारों से लिखित दलील मांगी थी।

New Delhi

उत्तर-पश्चिम भारत में बर्फबारी, मैदान में बारिश; जम्मू-कश्मीर में दो हाईवे बंद, हिमाचल में येलो अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) उत्तरी ईरान और उससे सटे कैस्पियन सागर के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम के मिजाज में बदलाव आया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और घाटी व मैदानी इलाकों में बारिश हुई है। पंजाब और हरियाणा समेत मैदानी राज्यों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ छिटपुट बारिश दर्ज की गई है। संभावना है कि आने वाले हफ्ते में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मंडी में सोमवार को आंधी का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर तेज चक्रवाती हवाएं चल रही हैं। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान से लेकर उत्तरी मध्य प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। 2 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। मौसम संबंधी इन प्रणालियों के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद में रविवार को हल्की बारिश हुई। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी व पश्चिमी राजस्थान में हल्की बारिश हुई और कुछ स्थानों पर ओले गिरे।

New Delhi

डेढ़ साल की बेटी के सामने मां की हत्या, पति ने सिलेंडर से वार कर ले ली जान

दिल्ली, (एजेंसी) राजधानी दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर इलाके से रिश्तों से भरोसा उठने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. जहां एक पति ने अपने पत्नी के सिर पर सिलेंडर से वार कर मौत के घाट उतार दिया. इस वारदात को उस समय अंजाम दिया गया, जब मृतक महिला की डेढ़ साल की बेटी मौके पर मौजूद थी. फिलहाल पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है. मृतक महिला की पहचान पूनम के रूप में हुई है. जबकि आरोपी पति की पहचान सुरेश के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक दोनों की शादी 2020 में हुई थी और उनके दो बच्चे हैं. एक चार साल की बेटी और एक डेढ़ साल की. वारदात के समय डेढ़ साल की बच्ची दोनों के साथ थी. हत्या को डीडीए फ्लैट इलाके के एक फ्लैट में अंजाम दिया गया. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है. पड़ोसियों ने बताया कि इलाके के डीडीए फ्लैट के एक फ्लैट में पति-पत्नी अपनी 2 बच्चियों के साथ रहते थे. पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर रविवार को झगड़ा हुआ और इसी दौरान गुस्से में पति ने खाना बनाने वाला छोटा सिलेंडर उठाकर अपनी पत्नी पर ताबड़तोड़ वार करने लगा. जिस समय पति इस वारदात को अंजाम दे रहा था, उस समय उसकी डेढ़ साल की बेटी भी वहीं मौजूद थी.

New Delhi

1100 से ज्यादा फर्जी बम कॉल का आरोपी गिरफ्तार, दिल्ली हाईकोर्ट से लेकर स्कूल-अस्पताल तक को दी थी धमकी

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है. पिछले कुछ महीनों से राजधानी को बम की धमकियां देकर दहशत फैलाने वाले शख्स को आखिरकार कर्नाटक से गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी की पहचान श्रीनिवास लुईस के रूप में हुई है जो कर्नाटक का रहने वाला है और अपनी मां के साथ किराए के मकान में रह रहा था. आरोपी के पकड़े जाने से दिल्ली पुलिस को बड़ी राहत मिली है.

श्रीनिवास ने पिछले कुछ महीनों में 1100 से ज्यादा फर्जी बम कॉल किए और ईमेल भेजे. उसने दिल्ली हाईकोर्ट, स्कूल, अस्पताल समेत कई अहम जगहों को बम से उड़ाने की धमकी दी.

हर बार इन धमकियों के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को बड़े पैमाने पर जांच-पड़ताल करनी पड़ती थी जिससे जनता में डर का माहौल बनता था और प्रशासन का कीमती समय और

संसाधन बर्बाद होते थे. दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर गहन जांच शुरू की. तकनीकी जांच और सुराग जोड़ते-जोड़ते पुलिस कर्नाटक तक पहुंची और वहां से श्रीनिवास को हिरासत में ले लिया. अब उसे दिल्ली लाया जा रहा है. दिल्ली पहुंचते ही उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा और रिमांड लेकर पूछताछ होगी. पुलिस यह जानना चाहती है कि आखिर इतनी बड़ी तादाद में फर्जी धमकियां देने के पीछे उसकी क्या मंशा थी.

खेल

2012 के बाद मुंबई ने पहला ओपनिंग मैच जीता, रोहित-रिकेल्टन के बीच हुई तीसरी बड़ी साझेदारी, रिकॉर्ड्स

मुंबई, (एजेंसी) रोहित शर्मा (78) और रेयान रिकेल्टन (81) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से मुंबई इंडियंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई ने 13 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को भी तोड़ दिया। दरअसल, मुंबई ने पिछली बार 2012 में सत्र का ओपनिंग मुकाबला जीता था। इसके बाद से वह लगातार 13 साल तक ओपनिंग मैच नहीं जीत पाई थी। अब टीम ने केकेआर को हराकर इस अनचाहे रिकॉर्ड से पीछा छुड़ा लिया है।

रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर ने अजिंक्य रहाणे (67) और अंगकृष रघुवंशी (51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की शतकीय

साझेदारी की सहायता से 19.1 ओवर में चार विकेट पर 224 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

221 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमआई को रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 11.5 ओवर में 148 रन की साझेदारी की। रोहित पहले विकेट के रूप में 78 रन बनाकर आउट हुए। 38 गेंदों की अपनी पारी में रोहित ने छह चौके और इतने ही छक्के लगाए। रोहित ने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में उनका यह सबसे तेज अर्धशतक है। रोहित का आईपीएल का यह 50वां अर्धशतक भी था। रिकेल्टन ने भी 43 गेंदों पर आठ छक्कों और चार चौकों की मदद से 81 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव आठ गेंदों पर 16 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा ने 14 गेंदों में 20 रन की पारी खेली। हार्दिक 11 गेंदों पर 18 और नमन धीर दो गेंदों पर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और सुनील नरेन ने 1-1 विकेट लिए।

रोहित और रिकेल्टन के बीच हुई शतकीय साझेदारी मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। दोनों ने पहले विकेट के लिए 148 रन जोड़े। इससे पहले दूसरे विकेट के लिए 2012 में रोहित शर्मा और हर्षल गिब्स के बीच 167 रनों की नाबाद साझेदारी हुई थी। वहीं, दूसरे स्थान पर ड्वेन स्मिथ और सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके बीच 2012 में पहले विकेट के लिए 163 रनों की नाबाद साझेदारी हुई थी। इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर को फिन एलन और अजिंक्य रहाणे ने ताबड़तोड़ शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5.2 ओवर में 69 रन जोड़े। एलन पहले विकेट के रूप में 17 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 37 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद रहाणे और ग्रीन के बीच दूसरे विकेट के लिए 21 गेंदों पर 40 रन की साझेदारी हुई।

सिनेमा

अक्षय कुमार को मारा 'चांटा', पूछा पति को लेकर सवाल, 'वेलकम' एक्ट्रेस बोली- मुश्किल था सीन

अक्षय कुमार, कटरीना कैफ स्टारर वेलकम फिल्म एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी फिल्म मानी जाती है. लेकिन जितना इस फिल्म को देखकर हम और आप हंसे हैं उतना शूटिंग करते हुए स्टार्स को हंसी नहीं आई. इसका खुलासा फिल्म की एक्ट्रेस सुप्रिया कर्णिक ने किया. एक्ट्रेस ने फिल्म में परेश रावल की पत्नी पायल घुंघरू का किरदार निभाया था. उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार को चांटा मारने वाला सीन भी याद किया. सुप्रिया को अकसर आपने मीम फेस्ट का हिस्सा बनते देखा होगा. फिल्म में उनका एक डायलॉग है- राजीव, ये जिंदा हैं... खूब फेमस हुआ था. इस पूरी सीक्वेंस को याद करते हुए कहा कि- तब हमें बिल्कुल हंसी नहीं आई थी. हम बस भाग रहे थे. सब जल्दी जल्दी हो रहा था. इंडिया नाउ एंड हाउ से सुप्रिया कर्णिक बोलीं- वो सीन सबसे ज्यादा वायरल हुआ था, कोविड में उसपर सबसे ज्यादा मीम्स बने थे. लेकिन उसे शूट करना मुश्किल था. वहां कॉमिक टाइमिंग बहुत मायने रखती थी. वो सीन जितना मजेदार लगा रहा है, शूट करने में नहीं था. क्योंकि फ्रैक्शन ऑफ सेकंड भी अगर मैं लेट हो जाऊं तो सबकी टाइमिंग मिस होती थी. तब वो सीन करना इतना कॉमिक नहीं था. 'मैं अक्षय के पास आती हूं, उन्हें चांटा मारती हूं, और पूछती हूं- मेरे पति के साथ ऐसा कैसे कर सकते हो. फिर मैं चूड़ियां तोड़ते हुए रोती हूं. फिर दोनों लड़कियां आती हैं और मुझे लेकर जाती हैं.'

Highlights

1. **India's maternal mortality drops nearly 80% since 1990: Study**
2. **India remains world's fastest growing major economy: Report**
3. **India stood alone to oppose it at WTO: Govt on China-led investment pact**
4. **Odisha BJP MLA opens fire during Ram Navami procession, booked**
5. **Maha CM pays tribute to ex-Raymond Group chief Vijaypat Singhania**

Why bonds deserve a bigger place in your portfolio

NEW DELHI, (Agency). In a market defined by volatility, fixed returns and regular payouts are once again becoming central to portfolio planning for Indian investors. The reason is simple: predictability matters. Whether the goal is preserving capital, creating a supplementary income stream, or planning short- and medium-term expenses, investors continue to seek products that offer visibility on returns and cash flows.

For years, traditional instruments like fixed deposits and real estate have dominated this market. However, the investment landscape is evolving. Falling interest rates and inflation pressures are reducing the attractiveness of fixed deposits and high investment minimums, and low rental yields are prompting investors to reconsider real estate as a regular source of income. In this shift, bonds are emerging as a more practical and accessible fixed-income option.

Why fixed returns matter

Fixed returns offer clarity. Investors know what they are likely to earn, when they can expect payouts, and what value they may receive at maturity. That predictability plays an important role in financial planning, especially for households balancing EMIs, education expenses, retirement needs, or near-term savings goals.

Regular payouts strengthen this further. Periodic interest income, whether monthly, quarterly, or annually, can help investors build cash-flow discipline without relying entirely on market-linked assets. In uncertain environments, that kind of visibility is not just comforting; it is financially useful.

Fixed deposits remain one of India's most trusted investment products. They are simple, widely understood, and backed by decades of investor comfort. For conservative savers, they continue to serve as a default choice.

However, their relative appeal has weakened in a falling interest rate environment. As deposit rates decline, returns look less attractive, especially after adjusting for taxes and inflation. For many investors, this means FDs continue to offer safety but no longer deliver the same return efficiency they once did.

Indian Oil buys first Iranian LPG since 2018 as shortage worsens

NEW DELHI, (Agency). Indian Oil Corp. has bought LPG from Iran for the first time in almost eight years, according to people familiar with the matter, as India scrambles to tider over an LPG shortage spurred by the Iran war.

The refiner will share the shipment with its state-owned peers Bharat Petroleum Corp Ltd. and Hindustan Petroleum Corp Ltd., said the people, who asked not to be named due to the sensitivity of the trade.

Indian Oil last bought LPG from Iran in June 2018, according to data intelligence firm Kpler, which said the current cargo is about 43,000 tons of butane and propane.

That amount would only be enough to meet half a day's demand in India, where LPG is commonly used as a cooking fuel. The country imports about two-thirds of its supplies, and 90% of that comes from West Asia, largely through the Strait of Hormuz that's been effectively blocked since the start of the Iran war.

The LPG shortage seen some Indians being forced to cook with firewood, and have led to fights in lines to get LPG cylinders. New Delhi has curtailed supplies to commercial users such as hotels and restaurants and invoked emergency measures to accelerate the development of natural gas pipelines.

It's the first Indian purchase of energy from Iran since the US issued a temporary waiver earlier this month allowing the country to buy crude oil or petroleum products from the Islamic Republic. The market has been watching for signs of potential buyers for Iranian cargoes that were long considered out of reach due to harsh US sanctions.

महिला इंजीनियर के हत्यारे पिता-पुत्र को घटनास्थल लेकर पहुंची पुलिस

रहवासी बोले 'जूते मारो'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंजीनियर शंपा पाठक को तेज रफ्तार कार से कुचलने वाले पिता और पुत्र को आज पुलिस घटनास्थल पर ले गई। लसूड़िया क्षेत्र की शिव वाटिका टाउनशिप में जब पुलिस दोनों को लेकर गई तो रहवासियों ने जूते मारो के नारे लगाए और अपना गुस्सा जाहिर किया।

रविवार को रिमांड अवधि समाप्त होने पर कोर्ट में पेशी से पहले पुलिस दोनों आरोपियों को घटना स्थल यानी शिव वाटिका बिल्डिंग लेकर पहुंची। यहां पुलिस का मुख्य उद्देश्य चश्मदीद चौकीदार और अन्य स्थानीय लोगों से आरोपियों की शिनाख्त करवाना था। जैसे ही पुलिस आरोपियों को लेकर बिल्डिंग परिसर में दाखिल हुई, वहां का माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोपी मोहनीश उर्फ मोहित चौधरी और उसके पिता कुलदीप को अपने सामने देखकर रहवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। लोग आरोपियों द्वारा की गई घटना से काफी आक्रोशित नजर आए। लसूड़िया थाना प्रभारी टीआई तारेश सोनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों से कार पार्किंग के विवादित स्थान को लेकर विस्तृत पूछताछ की। इस दौरान बिल्डिंग के गेट पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। भीड़ की नाराजगी और बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस को सुरक्षात्मक रुख अपनाना पड़ा। स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि मौजूद लोगों ने आरोपियों पर जूते मारने और सख्त सजा देने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। बिगड़ते हालात को संभालते हुए पुलिस ने जल्द ही शिनाख्त की प्रक्रिया पूरी की और दोनों को सुरक्षित वहां से निकाल लिया। घटना स्थल से वापस लाने के बाद पुलिस दोनों आरोपियों को लेकर कोर्ट पहुंची। टीआई ने जानकारी साझा की कि आरोपियों की दो दिन की रिमांड रविवार को पूरी हो चुकी है, जिसके बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत पेश किया जा रहा है। हालांकि पुलिस ने अपनी प्राथमिक जांच और मुख्य साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है, लेकिन केस को और मजबूत बनाने के लिए अभी बिल्डिंग के कुछ अन्य महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज करना बाकी है।

नगर निगम चलाएगा बुलडोजर

इस आपराधिक मामले के साथ-साथ अब आरोपियों की संपत्ति पर भी संकट मंडरा रहा है। शनिवार को नगर निगम की टीम शिव वाटिका पहुंची थी और वहां स्थित दोनों पेंटहाउस पर नोटिस चस्पा किए गए। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आरोपियों को अपनी सफाई और दस्तावेज पेश करने के लिए 7 दिन का समय दिया गया है। यदि सात दिनों के भीतर कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होता है, तो अवैध निर्माण मानते हुए नगर निगम द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

पटवारी परीक्षा फर्जीवाड़ा केस में आरोपी बरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 2008 की पटवारी चयन परीक्षा से जुड़े कथित फर्जीवाड़े के मामले में करीब 13 साल बाद कोर्ट ने आरोपी को बरी कर दिया। जिला कोर्ट ने विजयनगर निवासी महेश मकवाना को धोखाधड़ी समेत अलग-अलग धाराओं से संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त घोषित किया।

अभियोजन के अनुसार 2008 में व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित पटवारी चयन परीक्षा में आरोपी का चयन हुआ था। चयन के बाद उसे प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। जांच के दौरान उत्तर प्रदेश के एक विश्वविद्यालय की बीसीए मार्कशीट को कथित रूप से फर्जी पाया गया था। इसी आधार पर कार्रवाई शुरू हुई। कलेक्टर कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से 1 दिसंबर 2010 को शिकायत भेजी गई थी। इसके बाद 1 फरवरी 2012 को रावजी बाजार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। जून 2013 में चालान कोर्ट में पेश किया गया। आरोपी की ओर से एडवोकेट ललित काला ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि अभियोजन यह साबित नहीं कर सका कि आरोपी ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनका उपयोग किया। पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने पर अदालत ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक